तापमान
अधिकतम 33 .5 डिग्री
न्यूनतम 22.0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 13 जुलाई 2025

11 नागरिकों को सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म को सावधानी और सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी

12 साहबी बैराज में भिवाड़ी का दूषित पानी छोड़ने की योजना का विरोध ...

खबर संक्षेप

मेघवाल समाज की बैठक नया गांव दौलतपुर में आज

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने बताया कि मेघवाल समाज की बैठक 13 जुलाई को सुबह 9:30 बजे रेवाड़ी ब्लॉक के नयागांव दौलतपुर में आयोजित की जाएगी। मीटिंग में सभी पदाधिकारी और समाज के लोग समाजहित में एक नई पहल में अपनी हिस्सेदारी को लेकर अपने विचार साझा करेंगे।

ताइक्वांडो के लिए ओपन सिलेक्शन ट्रायल आज

रेवाड़ी। जिले की ताइक्वांडो टीम के लिए 13 जुलाई को ओपन सिलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बच्चे अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। यह ट्रायल सैकेंड हरियाणा स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए आयोजित किया जा रहा है। खिलाड़ियों के ट्रायल आरपीएस स्कूल, दिल्ली रोड पर सुबह 9 बजे से शुरू होंगे। ताइक्वांडों के जनरल सेक्रेटरी पवन चौधरी ने बताया कि सिलेक्शन ट्रायल की कोई भी एंट्री फीस नहीं है। यह एक अच्छा प्लेटफॉर्म है,जिसमें बच्चे अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं और आने वाले समय में बड़े अवसरों के लिए तैयार हो सकते हैं।

यादव कल्याण सभा का निःशुल्क जांच शिविर आज

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से 13 जुलाई को सुबह 9 से 11 बजे तक गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमे मरीजों की जांच के बाद फ्री दवाईयां भी प्रदान की जाएंगी। यादव कल्याण सभा प्रवक्ता प्रो सतीश यादव ने बताया कि शिविर में डा. रवि राव मेडिसिन, डा. अजय यादव हड्डीरोग, डा. अभिनव राव सर्जरी, डा. अजीत यादव बालरोग, डा. योगेन्द्र यादव चर्मरोग व डा. कंचन यादव नेत्ररोग में ओपीडी सेवाए प्रदान करेंगे तथा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव फिजियोथेरेपी की सेवाएं देंगे।

जगन्नाथ बावल नगर पालिका के पार्षद मनोनीत

बावल। हरियाणा सरकार की ओर से नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में पार्षद मनोनीत किए गए है। बावल से समाज सेवी व पार्टी कार्यकर्ता जगन्नाथ जांगिड़ को बावल नगर पालिका का पार्षद मनोनीत किया गया है।

जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के मीडिया प्रभारी धीरज शर्मा ने बताया कि जगन्नाथ जांगिड़ पहले भी एक बार पार्षद मनोनीत किए जा चुक है तथा दूसरी बार चुनाव जीतकर पार्षद बने। उनकी पार्टी के प्रति निष्ठा, समाज सेवा व लंबे अनुभव को देखते हुए हरियाणा सरकार ने तीसरी बार पार्षद बनाया है। समस्त जांगिड़ ब्राह्मण समाज ने इस नियुक्ति पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, बावल से विधायक डा. कृष्ण कुमार व हरियाणा सरकार के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

नगर परिषद कार्यालय व महाराणा प्रताप चौक स्थित सफाई शाखा में लंबे समय से पड़ा कबाड़

नगर परिषद के पार्किंग टीनशेड में भरा कबाड़, गेट तक खड़े हो रहे व्हीकलों से बिगड़ रही व्यवस्था

- टाउन हाल की मरम्मत व टीनशेड में करीब 20 लाख रुपये खर्च करने के बाद भी अव्यवस्था फैल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद में लंबे से बदहाल पड़ी ऐतिहासिक धरोहर टाउन की मरम्मत का कार्य पांच महीने में भी पूरा नहीं हो पाया है, जिससे कार्यालय परिसर में व्यवस्था बिगढ़ रही है। नगर परिषद में व्यवस्था सुधारने के लिए टाउन हाल के पास ही दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए टीनशेड भी बनाया गया था, लेकिन टीनशेड के आधे से ज्यादा हिस्से को कबाड़खाना बना दिया गया है। टीनशेड में लंबे समय से कबाड़ पड़ा रहने के कारण नगर परिषद में पार्किंग व्यवस्था नहीं बन पा रही है। कार्यक्रम आने वाले लोग कार्यालय के गेट पर व्हीकल खड़ा करके चले जाते है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। यहां तक की अधिकारियों व कर्मचारियों के व्हीकल भी अव्यवस्थित ढंग से खड़े रहते है। टीनशेड के बनने से परिसर में पार्किंग की सुविधा तो हो गई है, लेकिन कबाड़ पड़े रहने व टाउन हाल के रास्ते में वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग के कारण व्हीकल टीनशेड तक पहुंच ही नहीं पा रहे है। टाउन हाल के पास से लंबे समय से पड़े कबाड़ को हटाया नहीं जा रहा है। टाउन हाल की मरम्मत व टीनशेड में करीब 20 लाख रुपये खर्च करने के बाद भी अव्यवस्था फैल रही है।

रेवाड़ी। नगर परिषद के पार्किंग टीनशेड में भरा कबाड़, नगर परिषद परिसर में गेट तक खड़े व्हीकल, पार्किंग टीनशेड के रास्ते पर खड़ी कार। फोटो :हरिभूमि

टाउन हाल का अधूरा पड़ा मरम्मत कार्य

नगर परिषद स्थित टाउन हाल की लंबे समय से दयनीय हालत बनी हुई थी, जिसके बाद फरवरी माह में इसकी मरम्मत का कार्य शुरू किया गया, लेकिन पांच महीने में भी कार्य पूरा नहीं हो पाया है। इससे पहले टाउन हाल को पूरी तरह कबाड़खाना बनाया हुआ था। मरम्मत कार्य के चलते टाउन हाल का कबाड़ अब पार्किंग टीनशेड में डाला हुआ है। टाउन हाल की मरम्मत का कार्य आधूरा पड़ा रहे के कारण इसका सामान में बाहर अव्यवस्थित ढंग से पड़ा हुआ है।

रेवाड़ी। नगर परिषद परिसर में मनमर्जी से हो रही वाहनों की पार्किंग। फोटो :हरिभूमि

सफाई शाखा से भी नहीं हट रहा कबाड़

नगर परिषद की महाराणा प्रताप चौक स्थित सफाई शाखा परिसर में भी भारी मात्रा में कबाड़ पड़ा हुआ है। सफाई शाखा की चारदीवारी में शहर से उतारे गए होर्डिंग्स, टूटे डस्टबिन व अन्य कबाड़ का सामान पड़ा हुआ है। शहर को स्वच्छ रखने वाली सफाई शाखा की ओर से इस चारदीवारी में सफाई तक नहीं की जाती है। परिसर में चारों तरफ गंदगी जमा होने के साथ खरपतवार ऊगी हुई है।

पार्किंग के लिए लगाया गया था बोर्ड

नगर परिषद परिसर में आने वाले लोगों को टीनशेड की पार्किंग बताने के लिए परिसर में दिशासूचक बोर्ड लगाया गया था, लेकिन न तो कर्मचारियों ने बोर्ड पर ध्यान दिया और न ही कार्यालय में आने वाले लोगों ने इसका अनुसरण किया। नगर परिषद परिसर में कार्यालयों के सामने चौपहियां वाहनों के खड़े होने से टू-व्हीलरों को पार्किंग टीनशेड में जाने के लिए जगह तक नहीं मिल रही है। कर्मचारियों के साथ नगर परिसर में आने वाले लोग कार्यालय में गेट तक वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग कर रहे है, जिससे कई बार निकलने के लिए रास्ता तक नहीं बचता है।

बार एसोसिएशन ने किया लोक अदालत का बहिष्कार

- लोक अदालत का बहिष्कार कर वकील बाहर धरने पर बैठ गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शनिवार को जिला न्यायिक परिसर में आयोजित लोक अदालत का बार एसोसिएशन की ओर से बहिष्कार किया गया। लोक अदालत का बहिष्कार कर वकील बाहर धरने पर बैठ गए। बहिष्कार के कारण वकीलों के साथ-साथ उनके मुंशी और लीगल एड के वकील भी लोक अदालत में किसी भी पक्ष की ओर से पेश नहीं हुए। बार एसोसिएशन के प्रधान विश्वामित्र यादव ने कहा कि लोक अदालत लोगों की भलाई के लिए होती है, लेकिन अब यहां किसी की सुनवाई नहीं हो रही है। अगर किसी के वाहन का पहले 10 हजार रुपये का चालान हो जाता था तो उसे लोक अदालत में 50 प्रतिशत या 30 प्रतिशत तक भुगतान करा दिया जाता था, लेकिन अब चालान की पूरी राशि जमा कराई जा रही थी। लोक अदालत लोगों के हित में नहीं सरकार के हित में कार्य कर रही है। विश्वामित्र ने कहा कि अगर दो पक्षों में समझौता हो गया और केस लोक अदालत के लिए रख दिया जाता है और केस तीन नंबर कोर्ट का है तो उसमें पांच नंबर कोर्ट का जज आ जाता है, जोकि उस केस की सुनवाई नहीं करता है तथा केस फिर से कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाता है। ऐसे में लोक अदालत में शामिल होने का फायदा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक समस्या का हल नहीं होता कोई भी वकील लोक अदालत में शामिल नहीं होगा। धरने पर एडवोकेट राजेन्द्र सिंह राजकुमार गेरा, जगत निनानियां व रजवंत डहीनवाल सहित अनेक वकील मौजूद थे।

रेवाड़ी। लोक अदालत का बहिष्कार कर धरने पर बैठे वकील। फोटो :हरिभूमि

व्यक्ति पर सरिये से हमला करने वाले दो पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

बव्वा गांव के एक व्यक्ति ने गांव के ही दो लोगों पर अभद्र गालियां देने, मारपीट कर घायल करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए नाहड़ पुलिस को शिकायत दी है। इन्द्रजीत ने पुलिस को बताया कि उसने बव्वा गांव में अपने घर के सामने खाद बीज की दुकान कर रखी है। बुधवार को वह अपनी दुकान से साथ में स्थित दुकान में कुछ सामान लेने गए थे कि वहां गांव के राकेश व उसके भाई प्रेम ने उन्हें अभद्र गालियां देनी शुरू कर दी। वह वापस अपने घर की ओर जाने लगे तो राकेश व प्रेम ने उनके पीछे आकर सरिये से हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ की दो अंगुली टूट गई। उन्होंने उनकी पत्नी व बेटी को भी गालियां व जान से मारने की धमकी दी। वे उपचार के लिए कोसली अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने इन्द्रजीत की शिकायत पर दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद शुक्रवार को दोनों आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

हिसार में प्रिंसिपल की निर्मम हत्या के विरोध में स्कूल संचालकों ने सौंपा ज्ञापन

- सरकार से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उन्हें कठोर सजा देने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हिसार जिले के बांस बादशाहपुर स्थित करतार मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल विजेंद्र सिंह की दो छात्रों की ओर से गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर निर्मम हत्या कर दी गई। घटना पर प्रावेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल यादव ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए सरकार से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उन्हें कठोर सजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह घटना शिक्षा जगत की गरिमा पर कुठाराघात है। एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक जवाहर दूहन ने कहा कि आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। जिला प्रधान नवीन सैनी ने कहा कि यदि प्रशासन की ओर से समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो शिक्षक-शिष्य रिश्ता दागदार हो जाएगा और समाज में गुरू की महिमा शून्य प्रतीत होती नजर आएगी। उन्होंने घटना के विरोध में मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार के नाम सीटीएम प्रीति रावत को ज्ञापन भी सौंपा। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष रणबीर चौधरी, अध्यक्ष सुरेंदर चौहान, ओमबीर सिंह, सत्यपाल, अधिवक्ता हिमांशु, अमन कुमार, दीपक शुक्ला, अनुभव सिवाच, जतिन व अभिमन्यु सहित अनेक स्कूलों के संचालक मौजूद थे।

रेवाड़ी। सीटीएम को ज्ञापन सौंपते स्कूल संचालक। फोटो :हरिभूमि

होली चाइल्ड स्कूल के डायरेक्टर को मिला गूगल इंडिया का विकसित भारत 2047 सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली-एनसीआर स्थित गूगल इंडिया गुरुग्राम ऑफिस में आयोजित विकसति भारत-2047 गूगल फॉर एजूकेशन समिट में होली चाइल्ड ग्रुप ऑफ स्कूल्स के निदेशक अनिरुद्ध सचदेवा को भारत के शीर्ष 100 शिक्षाविदों में शामिल करते हुए विकसित भारत-2047 सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मेलन गूगल फॉर एजूकेशन व कंसेट ओराही के सयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयों को नवाचार-समर्थ, कौशल-आधारित और भविष्योन्मुखी बनाना है। गूगल फॉर एजूकेशन के कंट्री हेड संजय गुप्ता सहित वरिष्ठ प्रबंधन की उपस्थिति ने आयोजन को और भी प्रेरणादायक बनाया। विशिष्ट अतिथि डा. किरण बेदी(पूर्व आईपीएस एवं पूर्व उपराज्यपाल, अमन गुप्ता को-फाउंडर बोट, अभिनेता सुनील शेट्टी, शंतनु नायडू और राज शमानी ने शिक्षकों के साथ युवा नेतृत्व, स्टार्टअप सोच और एजुकेशन फॉर इम्पैक्ट पर प्रभावशाली संवाद किया। सम्मेलन में बल दिया गया कि 2047 तक आत्मनिर्भर, समावेशी और नवाचार-आधारित भारत के निर्माण के लिए विद्यालयों को विद्यार्थियों में 21वीं सदी के कौशल, डिजिटल साक्षरता और उद्यमिता की भावना विकसित करनी होगी। अनिरुद्ध सचदेवा ने कहा कि यह प्रतिष्ठित मान्यता होली चाइल्ड स्कूल के उस मिशन को और सशक्त करती है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सही दिशा में मार्गदर्शन देते हुए उन्हें नवाचारशील, उत्तरदायी और सक्षम नागरिक बनाना है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में सम्मान ग्रहण करते हुए अनिरुद्ध सचदेवा, कार्यक्रम में अतिथियों के साथ अनिरुद्ध सचदेवा। फोटो :हरिभूमि

बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक 15 को

रेवाड़ी। हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला यूनिट की मासिक बैठक 15 जुलाई को सुबह 11 बजे हरीओम अग्रसेन अस्पताल कानोड गेट में होगी। बैठक में बिजली निगम के अधीक्षक अभियंता प्रदीप कुमार चौहान व मनोज कुमार सैनी राज्य प्रधान एचएसईबी वर्कर यूनियन को सम्मानित करने, महिला शक्ति को कार्यकारिणी में शामिल करने तथा सभी कर्मचारियों की समस्याओ जैसे कम्युटेशन का समय पर बंद होने, 7वां आयोग से पेंशन के न मिलने व नोटेशनल इंक्रीमेंट के बारे में चर्चा होगी। जिला यूनिट के प्रधान नरेंद्र रोहिल्ला व महासचिव एसएन गोयल ने सभी सदस्यों से बैठक में पहुंचने की अपील की है।

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान
- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रेच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रेच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी
- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?
- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?
- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोटः यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न
- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं
- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सके।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं
- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ
- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। लोगों को पौधे वितरित करते हरिन्द्र यादव। फोटो :हरिभूमि

700 फल व छायादार पौधे किए वितरित

रेवाड़ी। प्रदेश के वन मंत्री राव नरबीर सिंह के रेवाड़ी निवास पर एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत दूसरे दिन लोगों को 700 के करीब फल व छायादार पौधे वितरित किए गए और आमजन से उनका संरक्षण करने की अपील की गई। मंत्री राव नरबीर सिंह के निजी प्रवक्ता हरिन्द्र यादव ने बताया कि जिले भर में मानसून के सीजन में अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए वन विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ उनकी टीम भी आमजन को पौधे उपलब्ध करा रही है तथा एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत जागरूक कर रही है। इस मौके पर फूल सिंह एसडीओ, कपिल शर्मा, महेश एडवोकेट, बहादुर सिंह खोला, महेश फौजी जाटूसाना व डा. योगेश यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एक पौधा वीर शहीदों के नाम अभियान आज से

रेवाड़ी। एक पौधा वीर शहीदों के नाम अभियान का शुभारंभ गो रक्षक देवेंद्र यादव उर्फ सोनू सरपंच के गांव फिदेड़ी से किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र आशावादी ने कहा कि शहीद भगवान तो नहीं होते। परंतु भगवान से कम भी नहीं होते। उन्होंने बताया कि एक पौधा शहीदों के नाम अभियान का शुभारंभ गांव के शिव मंदिर में 13 जुलाई को प्रातः 9:15 बजे किया जाएगा। ये अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। आशावादी ने बताया कि अभियान में पूजा फूलों, फलों व छायादार सहित अनेक प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। पौधे मंदिर, आश्रम, गोशालाओं, गो उपचारशालाओं, सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों व निजी स्थानों पर लगाए जाएंगे।

जिला पुलिस का लगातार चल रहा साइबर जागरूकता अभियान

नागरिकों का सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म को सावधानी व सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी: साइबर टीम

शिक्षकों व विद्यार्थियों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को पुलिस प्रशासन की ओर से यूरो इंटरनेशनल स्कूल धारूहेड़ा में साइबर फ्रॉड को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर साइबर थाने से साइबर विशेषज्ञ पीएसआई प्रिंस व एचसी हरिओम ने टीम के साथ शिक्षकों व विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय सुझाए। जिला पुलिस की टीमें लंबे समय से जिले के स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों व गांवों सहित सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को साइबर क्राइम के प्रति सतेत कर रही है।

इस दौरान साइबर विशेषज्ञ टीम ने कहा कि आज के समय साइबर अपराध चरम पर है, आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है। इस क्राइम को रोकने के लिए सभी को जागरूक होने की जरूरत है।

सभी को समझना होगा कि साइबर अपराध करने वाले लोग बड़े ही चालाक किस्म के होते हैं, जिनसे समझदारी से ही बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिले में साइबर क्राइम थाना, साइबर सैल और साइबर हेल्प डेस्क गठित है, जो लगातार इस दिशा में काम रही है, लेकिन नागरिकों को सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म को सावधानी और सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। आज जिस तरह से अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध को अपराध का एक सशक्त माध्यम बनाकर प्रयोग किया जा रहा है। उससे बचने के लिए स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी जागरूक करना होगा।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ साइबर टीम। फोटो : हरिभूमि

ठगी के इन तरीकों से बचाव करना जरूरी

साइबर थाना टीम ने साइबर क्राइम संबंधित संचार साथी पोर्टल तथा टेफको पोर्टल के बारे में भी बताया, जिसमें अपना फोन नंबर एंटर करके पर यह पता लगाया जा सकता है कि एक आदमी के नाम से कितने सिम जारी हुई है। अगर कोई सिम आपने जारी नहीं कराई है तो आप उसको पोर्टल पर रिपोर्ट करके बंद करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट बैंकिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, वॉलेट और यूपीआई संबंधित धोखाधड़ी से बचना चाहिए। साइबर विशेषज्ञ टीम ने आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम ऑनलाइन वित्तीय ठगी से बचाव, फेसबुक हैकिंग, बारकोड के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, व्हाट्सएप हैकिंग से बचाव व फर्जी वेबसाइट से होने वाले फ्रॉड के संबंध में सावधानियां बरतने की सलाह दी। इसके अलावा फेसबुक, इंस्टाग्राम व व्हाट्सएप आदि सोशल साइट्स से हनी ट्रैप के संबंध में स्कूल स्टाफ एवं छात्रो को जागरूक रहने की अपील की गई। उन्होंने बताया कि सिम कार्ड के माध्यम से, एटीएम कार्ड बदलकर, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से, बायोमेट्रिक, क्यूआर कोड स्कैन, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती, फर्जी कॉल, अनजान व्हाट्सएप वीडियो कॉल, ऑनलाइन लोन देने वाले एप, सोशल मीडिया पर रुपयों की मांग करने वालों से, गूगल से कस्टमर केयर नंबर सर्च करने बारे व यूपीआई संबंधी फ्राड के प्रति एवं साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत कॉल कर सूचित करें। स्कूल स्टाफ ने पुलिस टीम का धन्यवाद किया।

रेवाड़ी। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते जज। फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रीय लोक अदालत में 19 हजार 293 मामलों का किया निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह वाधवा के मार्गदर्शन व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा की देखरेख में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। न्यायालय परिसर रेवाड़ी, उपमंडल न्यायालय बावल व उपमंडल न्यायालय कोसली में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गई। रेवाड़ी में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सौरभ कुमार, अतिरिक्त प्रिंसिपल जज परिवार न्यायालय प्रदीप चौधरी, सिविल जज अर्चना, आकाश सरोहा व मिताली अग्रवाल की अध्यक्षता में गठित लोक अदालत की बेंचों में सैंकड़ों मामलों का समाधान आपसी सहमति से किया गया। उपमंडल न्यायालय बावल में सिविल जज आलोक आनंद तथा कोसली में सिविल जज निशा की अध्यक्षता में लोक अदालत का आयोजन हुआ, जिसमें चेक बाउंस, दीवानी, मोटर वाहन चालान, बैंक रिकवरी, पारिवारिक विवादों एवं अन्य प्रकार के मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 19 हजार 293 मामलों का निपटान करके 6 करोड़ 80 लाख 921 रुपये की राशि का समझौता कराया गया। नेशनल लोक अदालत में स्थायी लोक अदालत एवं उपभोक्ता अदालत में कुल 238 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 15 लाख 28 हजार 324 रुपये की राशि का समझौता आपसी सहमति से किया गया।

स्वच्छता टीम ने चलाया सफाई अभियान

- क्लब की ओर से सफाई योद्धाओं को सम्मानित भी किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की मुहिम के तहत विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की कड़ी में शनिवार को सेक्टर-5 में रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया। विधायक के पुत्र एडवोकेट निशांत यादव ने अभियान की अगुवाई की। उन्होंने झाड़ू व कस्सी लेकर सफाई की तथा कचरे को एकत्रित किया। सफाई अभियान टीम ने सेक्टर-5 में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर तथा गंदगी को साफ किया तथा खरपतवार को भी हटाया। आई लव रेवाड़ी टीम व रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन के पदाधिकारियों ने अनेक किस्म के पौधे भी रोपित किए। क्लब की ओर से सफाई योद्धाओं को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर युवा नेता निशांत यादव ने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। सफाई अभियान चलाने तथा स्थानीय दुकानदारों को जागरूक करने की आवश्यकता है। रोटरी क्लब की प्रधान नेहा शर्मा ने कहा कि क्लब की ओर से सेक्टर-5 में सभी के सहयोग से रोटरी रसोई शुरू की है,जिसका जरूरतमंद लाभ उठा सकते है। इस मौके पर सफाई टीम सदस्य, क्लब पदाधिकारी व काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। सेक्टर-5 में सफाई करते हुए टीम। फोटो : हरिभूमि

पुलिस टीम गांव-गांव पहुंच कर जगा रही नशा मुक्ति की चेतना

नशा मुक्त समाज बनाने में अग्रणी भूमिका अदा करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम की ओर से शनिवार को निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गांव दुल्हेड़ा खुर्द, दुल्हेड़ा कला व सूबासेडी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीम ने गांवों में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और नशा त्यागने के लिए प्रेरित भी किया। निरीक्षक रामपाल ने कहा कि पुलिस और आमजन के तालमेल से ही नशे जैसी बुराई पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस बुराई के विरुद्ध सामाजिक आंदोलन चलाने की आवश्यकता है। इसलिए समाज का प्रत्येक नागरिक नशा मुक्त समाज बनाने में अग्रणी भूमिका अदा करें। उन्होंने बताया कि कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो इस बारे पुलिस को मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करें।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करती टीम। फोटो : हरिभूमि

आईजीयू में अब सप्ताह में पांच दिन ही लगेंगी कक्षाएं

कुलपति मिगलानी ने कहा कि शिक्षकों के हितों में आगे भी निर्णय लेते रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में अब सप्ताह में पांच दिन कार्य दिवस रहेगा और विद्यार्थियों की कक्षाएं भी वीक में पांच दिन लगाई जाएगी। कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने शिक्षकों की ओर से की जा रही लंबित मांग को स्वीकृति प्रदान कर दी है। विवि की कार्यकारिणी समिति अर्थात एग्जीक्यूटिव काउंसिल में पहले से ही यह निर्णय लिया जा चुका है। नए शेड्यूल के अनुसार विवि के कार्य घंटों में भी परिवर्तन किया गया है। विश्वविद्यालय अब सुबह 9 बजे से लेकर 5:30 बजे तक खुला रहेग, जिसमें दोपहर 1 बजे से 1:30 तक लंच समय रहेगा। यह नियम केवल विवि के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में लागू होगा, जबकि महाविद्यालयों में पहले वाली व्यवस्था ही बनी रहेगी। कुलपति मिगलानी ने कहा कि शिक्षकों के हितों में आगे भी निर्णय लेते रहेंगे और आशा है कि शिक्षक भी विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने भी सभी शिक्षकों को बधाई दी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की टीचिंग एसोसिएशन की ओर से इस निर्णय के लिए कुलपति एवं कुलसचिव का धन्यवाद किया गया। संगठन की प्रधान प्रोफेसर सविता शयोराण सहित टीचिंग एसोसिएशन के अन्य सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। कुलपति का आभार व्यक्त करते आईजीयू स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

आईजीयू में प्रबंधन विभाग के प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

रेवाड़ी। प्लेसमेंट ड्राइव में मौजूद विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के प्रबंधन विभाग की ओर से सेमिनार हॉल आरटीआर ब्लॉक में कंपनी की ओर से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फ्लिपकार्ट फैसिलिटी पातली से ऑपरेशंस हेड बलराज एवं एचआर एग्जीक्यूटिव याशिका ने विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। इस ड्राइव में प्रबंधन विभाग, वाणिज्य विभाग तथा कंप्यूटर विभाग के लगभग 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। साथ ही विश्वविद्यालय से संबद्ध आरपीएस बलाना संस्थान के छात्रों ने भी इस अवसर का लाभ उठाया। इस अवसर पर प्रो. अदिति शर्मा डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट ने कहा कि इस प्रकार की औद्योगिक सहभागिता से विद्यार्थियों को न केवल रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, बल्कि वे कॉपोरेंट जगत की आवश्यकताओं को समझते हुए अपने कौशल को भी विकसित कर सकते हैं। प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष डा. समृद्धि ने कंपनी के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि चालू सत्र में विभाग द्वारा यह तीसरी बार प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई है। इस अवसर पर डा. रितु बजाज, डा. भारती एवं डा. जसविंदर सिंह भी उपस्थित थे।

भारतीय सेना के लिए शिविर में 136 यूनिट रक्त एकत्रित

शिविर में क्षेत्र के युवाओं व महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

एकता युवा क्लब लिलोढ, ग्राम पंचायत व अकेहड़ी मदनपुर गांव की राही एसोसिएशन की ओर से शनिवार को भारतीय सेना के लिए के रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट रिंकू ने बताया कि भारतीय सेना के जवानों के लिए यह जिले में पहला रक्तदान शिविर है। शिविर में क्षेत्र के युवाओं व महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। शिविर में विधायक अनिल यादव, पूर्व पार्षद जगफूल यादव, जीवन हितेषी, जिला पार्षद विनोद गोला, शारदा यादव, अजय यादव, विशाल कोच व बग्गा राव सहित गांव के युवाओं ने 136 यूनिट रक्तदान दान किया। रक्त एकत्रित करने के लिए भारतीय सेना से मेडिकल कोर की एफटीसी नई दिल्ली की टीम के इंचार्ज सूबेदार सुधांशु कुमार मौजूद थे। रक्तदाताओं को एकता युवा क्लब की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारी व गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रेवाड़ी। रक्तदान शिविर में रक्तदान करते विधायक अनिल यादव। फोटो : हरिभूमि

शहीद की याद में राजकीय स्कूल में लगाए पौधे

रेवाड़ी। राजकीय माध्यमिक विद्यालय जाट भूरथल में अमर शहीद हेमंत यादव की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी जयप्रकाश आर्य ने किया। शहीद की पत्नी निधि कुमारी ने शहीद को याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनकी याद में पौधारोपण किया। मौलिक मुख्य अध्यापक प्रेमचंद ने भी शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पौधा मां के नाम मुहिम से जुड़कर अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। इस मौके पर सरपंच ईश्वर सिंह, शहीद के पिता श्रीभगवान, पूर्व सरपंच अशोक कुमार, रणसिंह, हरिसिंह आर्य, मास्टर रामावतार, नंबरदार दीवान सिंह, ओमप्रकाश, लाल सिंह व मलखान सिंह सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। शहीद की याद में पौधारोपण करते हुए लोग।

श्रीराम वाहिनी की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

रेवाड़ी। शनिवार को भाजपा की वरिष्ठ नेत्री एवं श्रीराम वाहिनी की अध्यक्ष दीपा भारद्वाज के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीपा भारद्वाज और उनकी टीम विश्व पर्यावरण दिवस से ही लगातार पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी कर रही हैं, जोकि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। इस मौके पर दीपा भारद्वाज ने कहा कि हर छोटा प्रयास बड़े बदलाव की नींव होता है। पौधे लगाना न सिर्फ प्रकृति की सेवा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवनदायी उपहार भी है। इस अवसर पर भाजपा रेवाड़ी मंडल मंत्री आशा माखीजा, नीरू भारद्वाज, स्वीटी चौहान, ललिता यादव और मनीषा यादव उपस्थित थी।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद श्रीराम वाहिनी की सदस्य।

बैट्री चोरी करने के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

कसोला थाना पुलिस ने बनीपुर चौक स्थित बस स्टैंड परिसर से बसों की बैट्री चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला नूंह के वार्ड नं 12 निवासी मुबीन के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 9 अप्रैल को जीएम रेवाड़ी नरेंद्र कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था की 8-9 अप्रैल 2024 की रात को बनीपुर चौक स्थित बस स्टैंड परिसर में चालक प्रशिक्षण स्कूल की 7 व फरीदाबाद डिपो की एक बस को खड़ी किया गया था। सुबह के समय कर्मचारियों ने बसों को स्टार्ट करने का प्रयास किया तो वह स्टार्ट नहीं हुई। बसों को चेक किया गया तो सभी बसों की बैट्री गायब थी। पुलिस ने मामले में संलिप्त दो आरोपी फरीद उर्फ दिन्नू व मुनफेद को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी मुबीन को भी गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी मुबीन

तीन दिन से फिर बढ़ रहा तापमान, मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा

सावन माह में लोगों को अच्छी बारिश की उम्मीद

- तापमान में मामूली उतार चढ़ाव बना रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सावन का महीना शुरू हो चुका है। इस माह में लोगों को मानसून की अच्छी बरसात का इंतजार है। 9 जुलाई को भारी बरसात के बाद तीन दिन से आसमान साफ होते ही उमस एक बार फिर से लोगों का पसीना निकालने लगी है। मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है। 9 जुलाई का बरसात के बाद दिन के तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई थी और अधिकतम तापमान 35 डिग्री से 27 डिग्री सेल्सियस पर आ गया था, लेकिन उसके बाद मौसम साफ रहने से लगातार तापमान बढ़ रहा है, जिससे गर्मी फिर से सताने लगी है। शनिवार को सुबह से आसमान साफ रहा। सूरज की तपिश ने वातावरण में नमी के साथ उमस पैदा कर दी। अधिकतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 35.5 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री की वृद्धि के साथ 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर तक उमस व चिपचिपी गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया। कूलरों की हवा बेअसर साबित हुई। लोग दोपहर बाद तक पसीना-पसीना होते रहे। शाम के समय एक बार फिर से आसमान में बादल छा गए। इससे बारिश की संभावना बन गई। मौसम विभाग के अनुसार लगभग एक सप्ताह मौसम में बार-बार देखने को मिल सकता है। मानसून की सक्रियता के चलते सावन माह के आगामी दिनों में बारिश की झड़ी लग सकती है। इस दौरान तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। शनिवार शाम को शहर में छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

खरीफ फसलों को मिल रहा फायदा

खरीफ की फसलों में किसानों ने सात हजार हेक्टयेर भूमि पर कपास और नब्बे हजार हेक्टेयर पर बाजरे की खेती की हुई है। कुछ किसानों ने तिलहन और दलहन की खेती भी की हुई है। बार-बार बूंदाबांदी या बरसात के कारण सभी खरीफ फसलों को अच्छा फायदा मिल रहा है। खेतों में हरियाली छाई हुई है।

सरपंच, ग्राम पंचायत चौकी नंबर 1
ब्लॉक जाटूसाना, जिला रेवाड़ी (हरि.)

बोली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है ग्राम पंचायत चौकी नं. 1 खण्ड जाटूसाना, जिला रेवाड़ी में बाबा जोहड़ वाला जोहड़ को मछली पालन हेतु 8 वर्ष के लिए पट्टे पर छोड़ने के लिए दिनांक 22.07.25 को प्रातः 10:00 बजे ग्राम सचिवालय परिसर में बोली का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक बोलीदाता मौके पर पहुंचने का कष्ट करें। सिक्योरिटी राशि मु.- 20000/- रुपये बतौर जमा करवानी होगी। बाकी शर्तें मौके पर सुनाई जाएगी।

हस्ता/- समोती देवी, सरपंच
ग्राम पंचायत चौकी नं. 1, खण्ड जाटूसाना (रेवाड़ी)
मो. नं. 8683943001

साहबी बैराज में भिवाड़ी का दूषित पानी छोड़ने की योजना का विरोध

प्रधानमंत्री और सीएम को भेजा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला प्रशासन की ओर से भिवाड़ी के दूषित पानी को साहबी बैराज में छोड़े जाने की योजना का विरोध होना शुरू हो गया है। बैराज में लंबे समय से जमा दूषित पानी के कारण आसपास के गांवों के ग्रामीण काफी परेशान है। बरसात के समय साहबी बैराज का पानी ओवरफ्लो होकर आसपास के रास्तों व खेतो तक पहुंच जाता है। शनिवार को गांव खरखड़ा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, मुख्यमंत्री नायब सैनी व जिला उपायुक्त को पत्र भेजकर विरोध जताया है। उन्होंने सरकार से समस्या के समाधान की मांग की है।

प्रकाश यादव ने कहा कि भिवाड़ी एक औद्योगिक कस्बा है, जहां की फैक्ट्रियां, रिहायशी कॉलोनियां और नालों से दशकों से अत्यधिक प्रदूषित, रसायन युक्त और जहरीला पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी धारूहेड़ा व खुशखेड़ा के रास्ते साहबी बैराज में पहुंचकर व्यापक जल प्रदूषण फैला रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से अब इस गंदे पानी को साफ बताकर साहबी बैराज में डालने की योजना बनाना क्षेत्र के किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर पहले से ही नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानि एनजीटी में सुनवाई चल रही है, जिसमें रेवाड़ी जिले के विभिन्न सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स और औद्योगिक इकाइयों से छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की जांच व नियंत्रण को लेकर कार्यवाही जारी है। सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि साहबी बैराज में पहले से ही जलभराव के कारण आसपास के कई गांवों की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि बर्बाद हो चुकी है और किसान आर्थिक रूप से तबाह हो रहे हैं। इसके बावजूद जिला प्रशासन केवल योजनाओं और बैठकों में उलझा हुआ है और जमीनी स्तर पर कोई राहत नहीं दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन इस दिशा में संवेदनशीलता नहीं दिखाता और बिना वैज्ञानिक परीक्षण व शुद्धिकरण के भिवाड़ी के पानी को साहबी बैराज में प्रवाहित करता है, तो ग्रामीणों व सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। गत 11 जुलाई को भिवाड़ी में हरियाणा व राजस्थान के प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में यह कहा गया था कि बारिश और सीवरेज के दूषित पानी की अलग-अलग प्लानिंग की जाएगी और साफ पानी को अब बांधों में छोड़ा जाएगा, जिसको लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताकर विरोध व्यक्त किया है।

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थित साहबी बैराज में जमा दूषित पानी।

लेमन सोडा बोतल में मिली मक्खी, फूड सेफ्टी विभाग ने सेंपल लैब भेजे

रेवाड़ी। सोडा की बोतली में तैरती मक्खी।

रेवाड़ी। शहर की दुकान में लेमन सोडा बोतल से मक्खी निकलने पर युवक गुस्सा हो गया। उसन फूड सेफ्टी विभाग को लिखित शिकायत कर दी, जिसके बाद पहुंची टीम ने सोडा की बोतलों का सैंपल लेकर कार्यवाही शुरू की। शहर के साधुशाह नगर निवासी युवक जय ने बताया कि उसने अपने घर के पास स्थित दुकान से सोडा लेमन बोतल खरीदी थी। बोतल खोलने से पहले जब उसने देखा तो उसमें मक्खी तैर रही थी। जब उसने दुकानदार से कहा तो उसने कंपनी से ऐसी ही बोतल आने का हवाला दे दिया, जिसके बाद युवक को गुस्सा आ गया और उसने फूड सेफ्टी विभाग पहुंचकर सोडा बनाने वाली कपंनी के खिलाफ शिकायत दे दी। शिकायत के बाद फूड सेफ्टी विभाग की टीम बारा हजारी रोड स्थित यादराम सोडा लेमन कंपनी के प्लांट पर पहुंची और वहां पर पैकिंग होने के बाद तैयार की गई बोतलों का सेंपल लिया। टीम ने सेंपल लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया है। फूड सेफ्टी ऑफिसर डा. राजेश वर्मा ने बताया कि युवक ने सोडा बोतल में मक्खी मिलने की शिकायत दी थी, जिसके बाद उनकी टीम ने सोडा की मेंयूफैक्चरिंग यूनिट से सेंपल लिया है। सेंपल की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने बीएलओ व सुपरवाइजरों को दी निर्वाचन नियमों की जानकारी

रेवाड़ी। बीएलओ को नियमों की जानकारी देते हुए एसडीएम विजय कुमार यादव।

कोसली। कोसली विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इस देश में चुनाव प्रक्रिया को मतदाता सूची के आधार पर पूरा किया जाता है, जिसे तैयार करने की जिम्मेदारी बीएलओ की होती है। इस प्रकार से बीएलओ भारत निर्वाचन आयोग की सबसे मजबूत कड़ी है। एसडीएम स्थानीय सचिवालय परिसर में निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित ट्रेनिंग कैंप में बीएलओ व सुपरवाइजर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचायत से लेकर सांसद के चुनाव तभी सुचारू रूप से संपन्न हो पाते हैं, जब बूथों की वोटर लिस्ट एकदम सही होती है। वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने के लिए ही भारत निर्वाचन आयोग की ओर से समय-समय पर पुनरीक्षण अभियान चलाया जाता है, जिसमें आम नागरिकों से दावे व आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं।

मुखिया दिशा निर्धारक बनकर स्कूल के विकास में निर्णायक भूमिका निभाता है : अविनाश शर्मा

ट्रेनिंग कार्यक्रम का छठा दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। डाइट हुसैनपुर में प्राचार्यो को जानकारी देते वक्ता।

एससीईआरटी हरियाणा गुरुग्राम और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर रेवाड़ी के संयुक्त तत्वावधान में जिले के नव पदोन्नत प्राचार्यों का 12 दिवसीय विद्यालय नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। टेनिंग कार्यक्रम के छठे दिन मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्राचार्य हिपा गुरुग्राम अविनाश चंद्र शर्मा ने प्राचार्यो को आवश्यक जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि स्कूल का मुखिया स्कूल के विकास में निर्णायक भूमिका निभाता है, क्योंकि वह दिशा निर्धारक होता है। मुख्य वक्ता शर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण का सभी मुखिया व्यावहारिक फायदा उठाएं ताकि विभागीय नियमावली की पूरी जानकारी होने से वे इस दायित्व को बेहतर ढंग से निभा सकें। इस अवसर पर मेघराज शर्मा सेवानिवृत्त डिप्टी सेक्रेटरी हरियाणा सरकार भी मौजूद थे। दोनों विशेषज्ञों ने हरियाणा सिविल सेवा नियमावली 2016 के अंतर्गत दंड एवं अपील नियम तथा आचरण नियमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने प्राचार्यों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, उत्तरदायित्वों एवं अनुशासनात्मक प्रावधानों की गहन जानकारी दी। इस मौके पर अशोक यादव गणित विशेषज्ञ ने पोस अधिनियम 2013 यानि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम तथा सतपाल यादव अंग्रेजी विशेषज्ञ ने समावेशी शिक्षा पर जानकारी दी। डाइट के वरिष्ठ प्राध्यापक व प्रशिक्षण अभियान के नोडल अधिकारी डा. बीर सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण के विभिन्न घटकों की जानकारी दी।

रेवाड़ी। सुधराना गांव के राजकीय उच्च विद्यालय का निरीक्षण करते एसडीएम।

एसडीएम ने किया सुधराना स्कूल का निरीक्षण

कोसली। एसडीएम विजय कुमार यादव ने गांव सुधराना के राजकीय उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल में मिड-डेमील के राशन, सफाई व्यवस्था व छात्र-छात्राओं की डायरी चैक की। एसडीएम के स्कूल निरीक्षण के दौरान सभी टीचर अपनी क्लास में पाए गए, लेकिन बच्चों की टीचर डायरी व स्किल पास बुक कंप्लीट नहीं थी। एसडीएम ने हैडमास्टर दिनेश यादव को डायरी और पासबुक अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने छठी से नौवी कक्षा के विद्यार्थियों से गणित व सामाजिक विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्न पूछे, जिसमें बच्चों का बौद्धिक स्तर कमजोर पाया गया। एसडीएम ने शिक्षकों को बच्चों से पढाई में और मेहनत कराने के निर्देश दिए।

मांग सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण

ग्रामीणों का पैदल मार्च आज, हक के लिए सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अस्पताल की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर रामगढ़ भगवानपुर संघर्ष कमेटी का धरना प्रदर्शन शनिवार को 26वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने पर रामगढ़ भगवानपुर के अलावा बुड़ाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, तुर्कियावास, बालियर खुर्द, बालियर कंला, फदनी, मीरपुर, गोकुलपुर, कुंभावास, सुनारिया व मांढैया कलां सहित दर्जनभर गांवों के लोग शामिल हो रहे है। शनिवार को धरने की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि भौगोलिक, आर्थिक तथा परिवहन की दृष्टि से भगवानपुर में अस्पताल बनाया जाना उचित है तथा ग्रामीणों की मांग भी जायज है। सरकार व उसके प्रतिनिधियों ने जो वादा किया है, उसे वे बिना बिलंब पूरा करे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग धरने के बारे में अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं, जोकि एकदम गलत तथा व मानवीय मर्यादा के खिलाफ है, जिसकी संघर्ष कमेटी कड़ी भर्त्सना करती है। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि 13 जुलाई के पैदल मार्च की तैयारियां पूरी कर ली गई है। पैदल मार्च में क्षेत्र के अलावा जिले भर से हजारों लोग हिस्सा लेंगे तथा अपने हक की आवाज बुलंद करेंगे। प्रशासन की ओर से दिए गए रूट के अनुसार पैदल मार्च सुबह 10 बजे धरना स्थल से शुरू होकर प्रजापति चौक, अभय सिंह चौक, पायलट चौक व आईओसी चौक से होते हुए सचिवालय पर पहुंचेगा, जहां हरियाणा सरकार के नाम जिला उपायुक्त की को ज्ञापन दिया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सतीश यादव, कुलदीप यादव, कॉमरेड शमशेर सिंह मीरपुर, लालसिंह, कमल सिंह आशियाकी, रामकुमार, मोहर सिंह, खजान सिंह पूर्व सरपंच, सतीश सरपंच महीपाल सिंह फदनी,शीशपाल, नरेश,मास्टर प्रेम प्रकाश, नवल सिंह, गजराज सिंह यादव, राज, सतीश सरपंच, नरेश फोरमैन, अनिल सरपंच गोकुलपुर, पवन शर्मा, इंद्रजीत, सत्यवीर सरपंच,अभय सिंह, इंद्रजीत नंबरदार, राजकुमार, राजबीर, वीरेंद्र सिंह, रोशनलाल, रामनारायण, राजबाला, सुशीला, मुकेश, रमेश, शीला, इन्द्र, मोनिका, निर्मला, ज्ञानवती, बीरमती, राजेश्वरी, बिमला, कमलेश, ग्यारसी, शकुंतला, बिमला, हेमा, कमला, सुनीता, कृष्णा व आशा सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
उगन्ता देवी बच्चों का अस्पताल

20% off CT SCAN & Lab Test TILL 31 JULY 2024
24 HOURS SERVICE EVERY DAY
CT SCAN की सुविधा उपलब्ध
सुविधाओं
• नवजात शिशु की सभी सुविधाएं एवं NICU, PICU
• वेंटीलेटर, CPAP, BIPAP, Oxygen नवजात पीलिया
• बच्चों को दौरा आना, दिमांग में कीड़ा, अपाहिज मंदबुद्धि, दिमाग में पानी (हाईड्रोकेफलस)
• डेंगू, मलेरिया, टायफाईड एवं पीलिया का इंफेक्शन लीव रोग, वजन न बढ़ना, बार-बार दस्त लगना पेट दर्द, गेहूं एलर्जी
• छाती रोग, दमा, निमोनिया, टी.बी., चमड़ी रोग एलर्जी
डॉ. सुधा यादव
PEDIATRICIAN AND CRITICAL CARE SPECIALIST & NEONATOLOGIST
MD, DNB, PFCC MIMA, MIAP
EX. MS, RCPCH-UK (AIIMS, PGI)
हर रविवार OPD फीस फ्री
सभी मेजर TPA के तहत कैशलैश ईलाज की सुविधा
नईवाली चौक रेवाड़ी
8059105066, 8570982373

दमा एलर्जी जोड़ों का दर्द
डॉ. रघुबीर सिंह Acu.M.D.
9416901254
फोन पर संपर्क करने का समय प्रात: 8 बजे से सायं 6 बजे तक
शुगर पुराना नजला का इलाज
बिना दवा चीनी मशीन द्वारा
रेवाड़ी: हर सोमवार को मिलें
प्राइम न्यूरो स्पाइन एवं सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल
पब्लिक हेल्थ आफिस के सामने, गढ़ी बोलनी रोड, रेवाड़ी
समय: प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, सायं 5 बजे से 7 बजे तक
दमा, एलर्जी, जोड़ों का दर्द, शुगर, नजला का ईलाज चीनी मशीन द्वारा जड़ से खत्म किया जाता है।

आज भारत में करोड़ों लोग अस्थमा रोग के शिकार है। अस्थमा का उचित उपचार न करने के कारणप हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु भी हो जाती है। अस्थमा रोग किसी भी आयु के व्यक्ति को हो सकता है। अस्थता / दमा यह एक एलर्जी रोग है जिसका समय पर उपचार न करने से रोगी व्यक्ति की हालत गंभीर हो सकती है। अस्थमा का रोकथाम करने के लिए रोगी व्यक्ति को दिए, जाने वाले उपचार की जानकारी और महत्व पता होना जरूरी है।
• श्वसनी दमा फेफड़ों की ऐसी समस्या है, जिससे श्वास नली में बाधा आती है।
• अलग अलग बच्चों में अस्थमा के लक्ष्ण अलग होते है और ये लक्ष्ण एक ही बच्चें में बदलते भी रहते है।
• अस्थमा में श्वास नली पूरी तरह बंद हो जाती हैं, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो सकती है।
• अस्थमा सांस संबंधी रोग है जिसमें व्यक्ति को सांस लेने और छोड़ने में परेशानी होती है। दवाओं के जरिये इसे नियंत्रित तो किया जा सकता है लेकिन ठीक नहीं किया जा सकता है। हमारे इलाज से रोगी को पूर्णत: ठीक किया जाता है।

न्यूरों से संबंधित सभी बीमारियों का एक्यूपंचर द्वारा उपचार
साइटिका सर्वाइकल, फ्रोजन शोल्डर, माइग्रेन, कंधे का दर्द, कमर के हिस्से से पर तक होने वाला दर्द, स्लिप डिस्क, कमर दर्द, हाथों की उंगलियों का कम काम करना, हाथ में लगातार रहने वाला दर्द एवं अन्य लाईलाज न्यूरों की विभिन्न बीमारियों का सफल उपचार।

कौन से ऐसे कारण है जिनसे एलर्जी होती है।
एलर्जी हमारे दैनिक जीवन में भ्रमण करते हुए हमारे आसपास के माहौल/वातावरण से कई कारणों से हा सकती है जैसे पेड़, पौधे, धूल, मिट्टी, पालतु जानवर, दवाएं एवं खाने-पीने की वस्तुएं इत्यादि। 1. एक परिवार के विभिन्न सदस्यों, महिला, पुरुष, बच्चे या वृद्ध की विभिन्न वस्तुओं से एलर्जी हो सकते है। 2. कुछ तो फूलों को छूने से एलर्जी हो सकती है। 3. दूध, दही, मांस, मछली का सेवन करने से भी एलर्जी हो सकती है। 4. पॉलीथीन एवं नायलॉन के साथ भी एलर्जी हो सकती है। 5. सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग से भी एलर्जी हो सकती है।

गठिया: डाक्टर ने बताया कि गठिया शरीर के किसी भी एक जोड़ से दर्द शुरू होता है और धीरे-धीरे शरीर के सभी जोड़ प्रभावित होते हैं। सभी जोड़ों में असहनीय दर्द होता है। गठिया का रोगी सालों इलाज करवा कर भी ठीक नहीं हो पाते और डाक्टर कते हैं कि गठिया में सारी उमर दवा खानी पड़ेगी और दवा खाते रोगी के अंग भी टेढ़े-मेढे होने लगते हैं, रोगी बिस्तर पर चला जाता है और चलने फिरने से लाचार हो जाता है। डाक्टर कहते है कि एक्यूपेंचर द्वारा गठिया चाहे कितना पुराना भी हो, गठिया रोग जड़ से खत्म हो जाता है।

आइये जाने क्या है एलर्जी
प्रत्येक मनुष्य भले महिला हो या पुरुष में कुदरत ने बाहरी तत्वों को सहन करने की खास ताकत दी है। फिर भी कई बार ऐसे तत्व जो मनुष्य के शरीर पर दुष्प्रभाव डालने वाले एवं शरीर के भीतर पहुंचने की कोशिश कतेर हैं, तब शरीर के आंतरिक तत्व हलचल में आकर उन उल्टे तत्वों के प्रभाव को शरीर पर पड़ने की कोशिश को रोकते हैं। इस तरह की प्रक्रिया एलर्जी की उत्पत्ति का कारण बनती है। एलर्जी के लक्षण: • शरीर में खुजली • चमड़ी का लाल होना • लाल दाने होना • शरीर में दाने वाली जगह पर सूजन होना। • एलर्जी होने से "एग्जिमा" नाम की बीमारी भी हो जाती है, जिससे जोर से खारिश होना या उस जगह पर पानी का रिसाव होने लगता है। • एलर्जी के कारण कुछ लोगों को अस्थमा नाम की बीमारी हो जाती है। इस स्थिति में रोगी को सांस लेने में परेशानी आती है, फेफड़ों में सूजन होना व जलन होना। • छींकों का आना, नाक बंद होना, नाक की हड्डी टेडी होना, जुकाम होना। • गले में तेज जलन एवं दर्द होना • पेट का दर्द होना • चेहरा, होंट, आंखों में सूजन • जी मिचलाना एवं डायरिया • खाने में तकलीफ

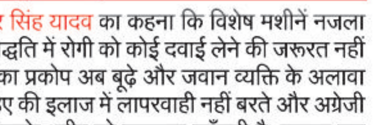

कृपया ध्यानपूर्वक पढ़े

• क्या आपका चलना-फिरना, उठना-बैठना, सीढ़िया चढ़ना-उतरना या आपके घुटनों की ग्रीस खत्म हो गई है?
• क्या आपके घुटने टेढ़े-मेढे हो गए है?
• क्या डॉटरों ने आपको ऑप्रेशन करवाने की सलाह दी है? ऑप्रेशन से पहले एक बार अपने घुटने हमारे अस्पताल में जरूर आकर दिखाए। आपको ऑप्रेशन करवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बिना ऑप्रेशन आपके घुटने बिल्कुल सीधे और ठीक हो जायेंगे। कुछ ही दिनों में आराम आना शुरू हो जाएगा।
• गठिया रोग (पुराने से पुराना) • घुटनों का दर्द • कमर दर्द • हिप ज्वाईट पेन • शुगर व बी.पी. • सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस

दमा, एलर्जी क्लीनिक के संचालक डॉ. रघुबीर सिंह यादव का कहना कि विशेष मशीनें नजला रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस पद्धति में रोगी को कोई दवाई लेने की जरूरत नहीं होती। डॉ. यादव का कहना है कि इस बीमारी का प्रकोप अब बूढ़े और जवान व्यक्ति के अलावा बच्चों में भी बहुत अधिक हो रहा। रोगी को चाहिए की इलाज में लापरवाही नहीं बरते और अग्रेजी दवाई से बचना चाहिए क्योंकि अंग्रेजी दवाई आपके शरीर को नुकसान पहुँचती है। नजला एक विजातीय द्रव्य है। हमारे सिर में एक आलफैक्ट्री वाल्व होती है। जिसमें यह जमा रहता है। इसकी सात वाल्व होते है। इसके लीक होने के कई कारण होते है जैसे सर्द-गर्म का बिगड़ना, कफ की अधिकता, सहवास के बाद हवा लगना आदि। नाक के मस्से बढ़ना, नाक रुकना, छींके आना, एलर्जी इत्यादि पहली तीन वाल्व लीक होने से होता है। इसके बाद वाली चार वाल्व लीक होने से यह विजातीय द्रव्य (नजला) गले में अंदर गिरने लगता है, जिसमें सांस की नली जाम हो जाती है। एलर्जी का कोई भी कारण हो यहां ईलाज लेने से रोगी उम्र भर के लिए ठीक हो जाता है। डॉ. यादव के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में दमा मरीजों की संख्या ज्यादा हो रही है। लगातार धूम्रपान करने एवं वातावरण में व्याप्त धूल के कण हवा के कारण यह बढ़ रही है। अगर इसका सही समय पर ईलाज नहीं किया जाता है तो कैंसर होने का खतरा रहता है। कभी-कभी तो आदमी की मौत भी हो जाती है। आजकल यह एक घातक बीमारी सिद्ध हो रही है। इसलिए सही समय के रहते डॉक्टर के पास जांच करवानी चाहिए। यहां इन बीमारियों का ईलाज चीनी पद्धति से किया जाता है। इसमें शरीर में निश्चित बिन्द होते है, इन बिन्दुओं पर विशेष मशीनों से ईलाज किया जाता है। इसमें कोई चीरे की जरूरत नहीं पड़ती है। हजारों मरीज हमारे यहां फायदा उठा चुके है और उठा रहे है।

विज्ञापन कभी कभी प्रकाशित होता है। विज्ञापन की कटिंग साथ लाएं।

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

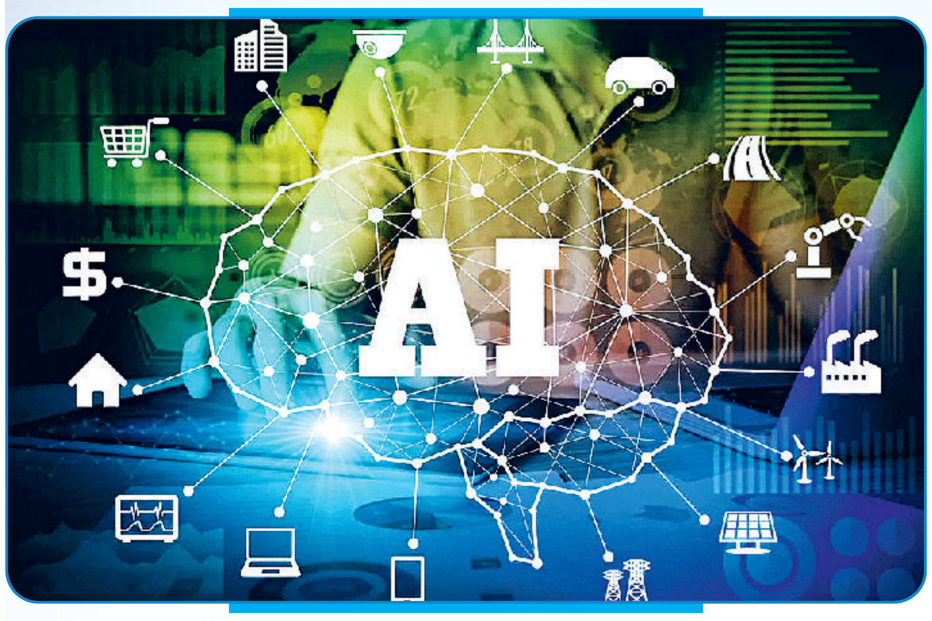

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए

सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन

स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न

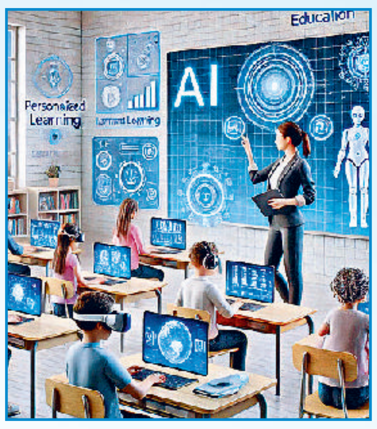

किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

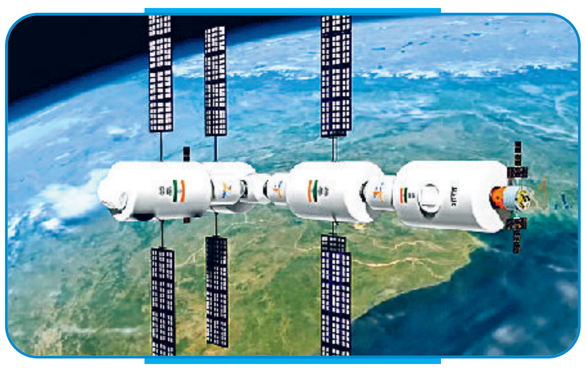

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांच: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएस: अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएस: अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशन: इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग हिचकिचाते बहुत हैं
ठहाकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

लघुकथा / गीता सिंह

बांझिन का घर

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

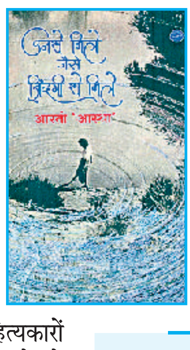

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तक: उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिका:** आरती 'आस्था', **मूल्य:** 180 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@
Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्व पुराणों में भी मिलता है। भृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो रहे हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। ✻

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। ✻

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। ✻

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। ✻

सिने-जगत / अशोक जोशी

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही दुनिया को कह दिया अलविदा

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

गुरु दत्त

मीना कुमारी

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मुत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। ✻